

अग्नियंता रुद्रैः ।
किरणं विग्राम् देवसदून् ।

ग्रन्थ अनुसारा-२

प्रियोग वर्ष 20

प्रास शीय एवं निक्षेपीय स्वीकृति तथा व्यय की स्वीकृति।

Digitized by srujanika@gmail.com

— यहाँ से यह कि माले वह कहने का निदेश हआ है कि संव

दोसरा दिन, दिनांक १८ नवम्बर, 2005

के अन्तर्गत 56 (छ पन्द) कार्यों की

प्रतिवेदित नियमक के संबंध में पुझे गह कहने का नियंत्रण हुआ है कि संलग्न सूची में प्राप्तके द्वारा उपलब्ध
की लागत के आणनों पर टी.एस.पी. वित्त द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गयी रूपये
(रु. ३८५०) इनसह दरोड दिसरी लाख निन्यांवि हजार मात्र) की लागत के आणनों का टी.एस.पी.
उपलब्ध अंकित संलग्न विवरणानुसार प्रशासनी एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए कार्य
प्रत्येक कार्य के लिये उसके सम्मुख कालम-०६ में अंकित विवरणानुसार कुल रु० 24.70 राख
लाख ..तर हजार मात्र) की धनराशि के ब्यय की गी श्री राज्यपाल महोदय निर्विचित भूर्ती के
स्थीकृति प्रदान करते हैं।

कर्म्मा प्राप्ति करने पर उत्तरार्थ ले जायेगा। इसके अलावा यह करने से पूर्ण विरहतु आगमन/मानवित्त गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राप्ति करी से प्राप्तिकर्म्मी होंगी, जिना प्राप्तिकर्म्म रखीकृति के दैर्घ्य प्रारम्भ न किया जाय। पर उतना ही व्यय किया जाय जितना वह स्वीकृत नार्म से असंक्षिप्त व्यय कदमपि न

प्राविधिक नियमनुसार क्षेत्रीय प्राधिकारी द्वारा आगमन गठित कर जियानुसार क्षेत्रीय प्राधिकारी द्वारा आवश्यक होता है।

प्राप्ति दर्शन करना उत्तमरथक है। इसने ऐसी समस्त औगदारिकताएं तथा नोकी द्रुष्टि के मध्य बजार रखते हुए एवं लोक निमाण प्रणाली दर्शन के अनुरूप ही वर्णों को सापादित करते राध पालन करना सुनिश्चित

करने से पूर्व रथल का गली भौंति निरीक्षा । उच्चाधिकारियों एवं भूगर्वपत्ता के साथ अवश्य बरा ले । प्रथम । रथल आवश्यकतामुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय । तीव्र इतना । जिन मदों हेतु जो राशि स्थीकृत कर्ता गई है व्यय उसी मद में किया जाय । क मद का दूसरी छपा । न किया जाय ।

प्रयोग में लाने से पूर्ण किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय, वहाँ उपयुक्त पायी जाएगी।

1945

सहायक अधिकारी
प्रा० खा० लो० नि० वि०
गोपेश्वर

भूमि को उपलब्धता सुनिश्चित करने के बाद ही इनके लिए स्वीकृति नी हो रही धनराशि
आया और जिनकी उक्त कार्यदाही भूमि हो तो उनके प्रवरण राजा शासन को देकर वह
समर्पित कर दी जायेगी।

जामाने में ऐसे दिनी कार्य हेतु जोकि विवरण हो तो जै अधिकारी की जाएगी। ऐसा स्वतं से
उक्त की जा चुकी है तो उस योजना हेतु इस अध्यनादेश द्वारा स्वीकृत की जाएगी और धनराशि का
शासन को समर्पित कर दी जायेगी।

जो पूर्व जिन मामलों में बजट मैनेजल, वित्तीय हो पुरिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों
में आवश्यकता हो उनमें व्यवहार करने से पूर्व अधिकारी की स्वीकृति नी आवश्यकता हो उनमें व्यवहार करने से पूर्व अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासर्व। वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ प्राधिकारी वी स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाएगी। स्वीकृत की जा रही धनराशि व। दिनांक- 31.

प्राधिकारी वी स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाएगी। कार्य कराते समय टैण्डर विषयक नियमों के भी अनुपालन उपयोग सुनिश्चित कर लिया जाय। कार्य कराते समय टैण्डर विषयक नियमों के भी अनुपालन

प्रस्तुत तब ही अवमुक्त की जायेगी जब स्वीकृत की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग कर कार्य
प्रगति विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दिया जाय। उक्त विवरण प्रस्तुत किये

आगामी किरत अवमुक्त की जायेगी। गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु संबंधित अधिकारी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदार्य होंगे।
मे होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2005-06 में समाज कल्याण विभाग ने अनुदान संख्या-
5054 सड़कों तथा सेतुओं पर पूँजीगत परिव्यय -04 जिला तथा अन्य सड़क-
700- जनराजीय भेत्र उपयोजना-१। नया निर्माण कार्य-00-24 वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला।

वित्त अनुभाग-2 के अशासकीय संख्या-यू.ओ.- 82 / XXVII / (2) / 2005
परिवर्तन, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

प्राप्तीय की सूची।

भवतीय,
(टीके पत्त)
संयुक्त संचित

III-2/05, तदनिमित्त
प्राप्तीय निर्माणित गोसूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-
नामालेखाकार (लेखा प्रश्न) उत्तराचल, इलाहाबाद/ देहरादून।
आपुक गढ़वाल/ कुमार्यू मण्डल पौड़ी/ नैनीताल।

आपस्त जिलाधिकारी/ कोषाधिकारी, देहरादून
परिषद कोषाधिकारी, देहरादून।

गिरेशक राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तरांचल देहरादून।
गुरु अभियन्ता, ग.धा./ कु.क्ष. लो०नि०वि०, पौड़ी/ अल्मोड़ा।

आपस्त अधीक्षण अभियन्ता, लो०नि०वि०, उत्तरांचल।

वित्त अनुभाग-2/ वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल।

लोक निर्माण अनुभाग-1/3 उत्तरांचल शासन, समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ।

गार्ह बुक।

आज्ञा से,
(टीके पत्त)
संयुक्त संचित

अन्न अधिकारी
समाज कल्याण नियोजन
प्राप्त अपार्टमेंट नियोजन
गोपेश्वर

←→→→→

४५
सहायक अभियन्ता
प्रा० ख० ल० नि० वि०
गोपेश्वर

चाली में चमोली के सर्वोप से खीरी में ५ किमी० मोटर मार्ग एवं अलखनन्दा से ऊपर किमी० १०१ परे मोटर सेतु ९० (विरतार) एवं किमी० ५ पर मोटर सेतु (२५ (विरतार) के निम्नोक्त बन प्रारम्भिक आगणन	5.00+ 2 रोटु	344.55	344.00	1.00
चमोली में जुमा रो कागा लगा नी तक १६ किमी० मोटर मार्ग एवं प्रथम पर मोटर सेतु (९० मी० विरतार) के बन प्रारम्भिक आगणन	16.00+ १सेतु	441.50	441.50	1.50
चमोली के अनन्तगत जुमा दोणगी नाम के कागा नामक रो गरपक तक ५ मी० लगाई ॥ मोटर मार्ग एवं एफ मोटर सेतु (२१ मी० विरतार) के निम्नोक्त प्रारम्भिक आगणन	5.00+ २१ मी० सेतु	119.88	119.88	1.00
चमोली में जोशीमठ नामी मोटर मार्ग पूर्ण कोण तक ३०० मी० मोटर मार्ग का	3.00	43.20	43.20	0.10
चमोली में रेण्डी ५ मी० के लाता तथा गाक सुमाई तक ५८० मी० मोटर मार्ग मी० ४.०० में ७० मी० विरतार सेतु का	५.८०	271.98	271.98	1.00
चमोली में त्राईयोटा से तोलगा तक गाक के विमी० ३.०० से किमी० ४.५० मोटर मार्ग का विरतार	१.५०	२१.६०	२१.६०	०.१०
चमोली में जोशीमठ बाक में योटा से २.०० किमी अरि रो पगरांसू मोटर मार्ग	४.००+ ७० मी० रोटु	२०७.३९	२०६.४०	१.००
चमोली में तापक नाला नामक रथान जोशीकरी ८५ ८.०० किमी० लगाई में मोटर मार्ग के नवनिर्माण का कार्य	८.००	११५.२०	११५.२०	१.००
चमोली के विकाशनाली जोशीगढ़ में लगा नाली इस गाम के किमी० ०. ०० से ५३० तक बन प्रारम्भिक	-	५६.४०	५०.४०	०.१०
चमोली में जोड़े गए गलारी गोदर के सुमाई थोटा फूला युआ चौकी ते मान गवाह नामक गान रो दुखी भलगाव मोटर मार्ग का विरतार	५.००	७२.००	७२.००	०.१०
चमोली गेज छल्का गाहन मार्ग का मोटर मार्ग में परिवर्तन का प्रारम्भिक आगणन (मी० ७ रो १२)	६.००	३२.४०	३२.४०	०.१०

४८
सहायक अधिकारी
प्रा० ख० ल०० न० वि० वि०